Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed
Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं-मध्यप्रदेश के मण्डला जिले के विशेष संदर्भ में

डॉ.अशोक कुमार बघेल
अतिथि विद्वान -भूगोल
शासकीय स्नातक महाविद्यालय भुआ बिछिया जिला मंडला (मध्य प्रदेश)

सारांश

भारत एक विविध और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर वाला देश है जहाँ पर्यटन उद्योग राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्यटन न केवल एक सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम है, बल्कि यह रोजगार के सृजन, स्थानीय अर्थव्यवस्था के विकास और सामाजिक उन्नति का एक शक्तिशाली साधन भी है। विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्टों के अनुसार, पर्यटन उद्योग वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा निर्यात क्षेत्र है और लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है। भारत में भी पर्यटन क्षेत्र को एक प्राथमिकता वाले क्षेत्र के रूप में मान्यता दी गई है क्योंकि यह विदेशी मुद्रा अर्जन, आय सृजन और जनसंख्या के विभिन्न वर्गों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करता है।

प्रस्तावना

मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति, प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक विरासत के कारण यह पर्यटन के लिए एक आदर्श गंतव्य है। राज्य में खजुराहो के मंदिर, ग्वालियर का किला, इंदौर, भोपाल और जबलपुर जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल हैं। इन्हीं पर्यटन केंद्रों के अलावा, मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में भी पर्यटन की अपार संभावनाएं निहित हैं। मण्डला जिला, जो मध्यप्रदेश के पूर्वी भाग में स्थित है, प्राकृतिक सौंदर्य, वन संपदा, जलप्रपात, नदियों और आदिवासी संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है।

Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

मण्डला जिला लगभग 4,620 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल में विस्तृत है और यहाँ की जनसंख्या मुख्य रूप से आदिवासी समुदाय से संबंधित है। यह जिला नर्मदा नदी के किनारे बसा है और इसके आसपास के क्षेत्र में पेंच राष्ट्रीय उद्यान, बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, शक्तिगढ़ जलप्रपात, चर्चघाट, दुधपदरा जलप्रपात और अन्य पर्यटन स्थल हैं। इन स्थलों की विविधता और अनोखापन मण्डला को एक अलग ही पहचान प्रदान करते हैं। हालांकि, मण्डला जिला अपनी पर्यटन क्षमता के बावजूद अभी तक राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर वैसी प्रमुखता से स्थान नहीं बना पाया है जैसा कि अन्य जिलों ने बनाई है।

पर्यटन उद्योग के विकास के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हैं। होटल, रेस्तरां, परिवहन, गाइड सेवा, शिल्प और हस्तकला, खुदरा व्यापार, स्पा और वेलनेस सेंटर, साहसिक खेल और अन्य संबंधित क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। अनुमानतः, पर्यटन उद्योग में प्रत्येक प्रत्यक्ष रोजगार के साथ 3 से 5 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं। यह बात मण्डला जैसे पिछड़े और कम विकसित जिलों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहाँ बेरोजगारी की समस्या गंभीर है।

मण्डला जिले में पर्यटन के विकास की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इन संभावनाओं को वास्तविकता में परिणित करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचे, प्रचार-प्रसार, कौशल विकास और उचित नीति निर्माण की कमी है। वर्तमान में, जिले में पर्यटन क्षेत्र पूरी तरह से विकसित नहीं है और न ही इसमें आने वाले पर्यटकों की संख्या पर्याप्त है। इसके परिणामस्वरूप, इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी सीमित रह गए हैं। यह गहन अध्ययन मण्डला जिले में पर्यटन क्षेत्र में रोजगार की वास्तविक संभावनाओं को समझने, विद्यमान समस्याओं की पहचान करने और भविष्य में रोजगार सृजन के लिए व्यावहारिक सुझाव देने का प्रयास करता है।

Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

शोध पत्र का उद्देश्य

इस शोध पत्र के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

प्रथम उद्देश्य यह है कि मण्डला जिले में पर्यटन के क्षेत्र में पर्यटकों के आगमन के वर्तमान रुझान का विश्लेषण किया जाए। इसके लिए विगत पाँच से दस वर्षों के आँकड़ों का संकलन किया जाएगा, जिससे यह समझा जा सके कि पर्यटकों की संख्या में क्या बदलाव आया है, किस मौसम में अधिक पर्यटक आते हैं, भारतीय पर्यटकों की तुलना में विदेशी पर्यटकों की संख्या कितनी है और इस जिले में पर्यटन की क्या वास्तविक स्थिति है।

दूसरा उद्देश्य मण्डला जिले में पर्यटन के विकास की मौजूदा क्षमता का विस्तृत आकलन करना है। इसमें प्राकृतिक संसाधन, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत, वन्यजीव, जल प्रपात, नदियों और आदिवासी संस्कृति जैसे तत्वों की पहचान की जाएगी। यह भी देखा जाएगा कि ये संसाधन किस प्रकार से पर्यटन के विकास में योगदान दे सकते हैं।

तीसरा उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के वर्तमान आकार का अनुमान लगाना है। इसके लिए होटल, रेस्तरां, परिवहन, गाइड, शिल्प और हस्तकला, और अन्य पर्यटन संबंधित क्षेत्रों में नियोजित व्यक्तियों की संख्या का पता लगाया जाएगा। यह भी समझा जाएगा कि ये रोजगार कितने स्थायी हैं, इनमें महिलाओं की भागीदारी कितनी है और ये रोजगार किन सामाजिक वर्गों को प्रदान किए जा रहे हैं।

चौथा उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र में रोजगार सृजन में आने वाली बाधाओं और समस्याओं की पहचान करना है। इसमें बुनियादी ढाँचे की कमी, परिवहन सुविधाओं का अभाव, होटल और लॉजिंग सुविधाओं की अपर्याप्तता, कुशल मानव संसाधन की कमी, पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पर्याप्त प्रचार-प्रसार न होना, स्थानीय समुदाय की अशिक्षा और जागरूकता की कमी जैसी समस्याएं शामिल होंगी।

Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

पाँचवाँ उद्देश्य भारत और विश्व के अन्य भागों में पर्यटन विकास के सफल उदाहरणों से सीखना है। इसमें राजस्थान, गोवा, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में पर्यटन के विकास के लिए अपनाई गई नीतियों और रणनीतियों का अध्ययन किया जाएगा, जिससे मण्डला जिले के संदर्भ में लागू किए जा सकने वाले सूत्रों की खोज की जा सके।

छठा उद्देश्य मण्डला जिले में भविष्य में पर्यटन-आधारित रोजगार सृजन की संभावनाओं का अनुमान लगाना है। इसमें क्षमता की गणना, वर्तमान प्रवृत्तियों का विश्लेषण और भविष्य की आवश्यकताओं का अनुमान लगाया जाएगा।

अंतिम उद्देश्य मण्डला जिले में पर्यटन के विकास और रोजगार सृजन के लिए नीति-संबंधी सुझाव प्रदान करना है। इन सुझावों में बुनियादी ढाँचे के विकास, मानव संसाधन विकास, प्रचार-प्रसार रणनीति, पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय समुदाय की भागीदारी और सरकारी नीतियों में सुधार जैसे बिंदु शामिल होंगे।

शोध पत्र का महत्व

इस शोध पत्र का महत्व कई स्तरों पर समझा जा सकता है। सर्वप्रथम, यह शोध पत्र शैक्षणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पर्यटन अर्थशास्त्र, आर्थिक भूगोल, ग्रामीण विकास और रोजगार अर्थशास्त्र जैसे विविध विषयों में ज्ञान की वृद्धि करता है। यह शोध पत्र एक ऐसा प्रयास है जो क्षेत्रीय स्तर पर पर्यटन और रोजगार के बीच के संबंधों को गहराई से समझता है। भारतीय संदर्भ में, विशेषकर मध्यप्रदेश के संदर्भ में, पर्यटन-आधारित आर्थिक विकास पर सीमित शोध कार्य हुए हैं, इसलिए यह शोध पत्र उस कमी को पूरा करने का एक प्रयास है।

दूसरे, यह शोध पत्र नीति निर्माताओं और सरकारी अधिकारियों के लिए महत्वपूर्ण है। मण्डला जिले के विकास से संबंधित निर्णय लेते समय, प्रशासकों को यह जानकारी होनी चाहिए कि इस जिले में पर्यटन के विकास से किस प्रकार रोजगार सृजन में वृद्धि की जा सकती है। इस

Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

शोध पत्र के निष्कर्ष और सुझाव पर्यटन विकास से संबंधित नीतियों को तैयार करने में सहायक हो सकते हैं।

तीसरे, यह शोध पत्र व्यावहारिक महत्व भी रखता है। मण्डला जिले में पर्यटन क्षेत्र में निवेश करने वाले उद्यमियों, निजी संगठनों और होटल मालिकों के लिए यह शोध पत्र महत्वपूर्ण बाजार अनुसंधान का कार्य कर सकता है। इसके द्वारा वे अपने व्यावसायिक निर्णय लेते समय बेहतर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

यह शोध पत्र स्थानीय समुदाय के लिए भी महत्वपूर्ण है। मण्डला जिले के आदिवासी और ग्रामीण समुदाय के लिए पर्यटन विकास से जुड़ी जानकारी उन्हें अपने भविष्य की योजना बनाने में मदद कर सकती है। वे यह समझ सकते हैं कि पर्यटन क्षेत्र में किन कौशल की आवश्यकता है और किस प्रकार की शिक्षा और प्रशिक्षण उन्हें लाभदायक नौकरियों तक पहुँचने में सहायता दे सकती है।

यह शोध पत्र पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। मण्डला जिले में वन संपदा और प्राकृतिक संसाधन अत्यधिक समृद्ध हैं। पर्यटन विकास के क्रम में पर्यावरण को कैसे बचाया जाए, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। यह शोध पत्र टिकाऊ पर्यटन (सस्टेनेबल टूरिज्म) की अवधारणा को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

यह शोध पत्र भारतीय संदर्भ में आर्थिक समावेशिता के महत्वपूर्ण प्रश्न को संबोधित करता है। देश में कई पिछड़े क्षेत्र हैं जहाँ पर्यटन विकास के माध्यम से आर्थिक वृद्धि और सामाजिक विकास संभव है। मण्डला जिला ऐसा ही एक क्षेत्र है। इस शोध पत्र के निष्कर्षों को अन्य पिछड़े जिलों में भी लागू किया जा सकता है।

Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed
Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

अंतिम रूप से, यह शोध पत्र सामाजिक विकास के आयाम को भी स्पर्श करता है। रोजगार के अवसरों से न केवल आय में वृद्धि होती है, बल्कि इससे जीवन की गुणवत्ता में सुधार भी होता है, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश बढ़ता है, और सामाजिक गतिशीलता में वृद्धि होती है।

शोध प्रविधि

इस शोध पत्र को तैयार करने के लिए विभिन्न शोध पद्धतियों और डेटा संग्रहण विधियों का उपयोग किया गया है। शोध पद्धति के चयन में यह ध्यान रखा गया है कि शोध के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके और विश्वसनीय और मान्य परिणाम प्राप्त किए जा सकें।

सर्वप्रथम, इस शोध में द्वितीयक डेटा संग्रहण की विधि का व्यापक उपयोग किया गया है। द्वितीयक डेटा का अर्थ है ऐसी जानकारी जो पहले से ही उपलब्ध स्रोतों से संकलित की जाती है। मध्यप्रदेश के पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, मण्डला की तहसील कार्यालय, भारतीय पर्यटन मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्टें, सांख्यिकीय विभाग की जनगणना रिपोर्टें, और विभिन्न शोध संस्थानों के प्रकाशन इस शोध के मुख्य द्वितीयक डेटा स्रोत हैं। इन स्रोतों से पर्यटकों के आगमन की संख्या, पर्यटन से संबंधित आय, पर्यटन क्षेत्र में नियोजित व्यक्तियों की संख्या और अन्य संबंधित आँकड़े संकलित किए गए हैं।

दूसरे, इस शोध में प्राथमिक डेटा संग्रहण के लिए प्रश्नावली विधि का उपयोग किया गया है। मण्डला जिले में विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर होटल मालिकों, रेस्तरां के संचालकों, गाइडों, परिवहन ऑपरेटरों, शिल्पियों, स्थानीय निवासियों और अन्य पर्यटन से संबंधित व्यवसायों में लगे व्यक्तियों से सूचना एकत्र की गई है। इसके लिए अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में संरचित प्रश्नावलियों का निर्माण किया गया है। प्रश्नावलियों में खुले प्रश्न और बंद प्रश्न दोनों का समावेश है, जिससे गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों प्रकार की जानकारी प्राप्त की जा सके।

Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

तीसरे, साक्षात्कार विधि का भी उपयोग किया गया है। मण्डला जिले के जिला पर्यटन अधिकारी, होटल मालिकों, पर्यटन संस्थाओं के प्रबंधकों, स्थानीय नेताओं और प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ विस्तृत साक्षात्कार लिए गए हैं। इन साक्षात्कारों से गुणात्मक जानकारी प्राप्त की गई है जो पर्यटन विकास की समस्याओं, संभावनाओं और भविष्य की रणनीतियों के बारे में विस्तृत अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।

चौथे, इस शोध में प्रेक्षण विधि का भी प्रयोग किया गया है। मण्डला जिले के विभिन्न पर्यटन स्थलों का सीधा भ्रमण किया गया है। पेंच राष्ट्रीय उद्यान, शक्तिगढ़ जलप्रपात, चर्चघाट, नर्मदा नदी के किनारे के क्षेत्र और अन्य पर्यटन केंद्रों का अवलोकन किया गया है। इससे पर्यटन सुविधाओं की वास्तविक स्थिति, आने वाले पर्यटकों की भीड़, स्थानीय अवसंरचना की गुणवत्ता और पर्यावरणीय स्थिति के बारे में प्रथम हाथ की जानकारी प्राप्त हुई है।

पाँचवें, केस स्टडी विधि का उपयोग करके मध्यप्रदेश के अन्य जिलों और भारत के अन्य राज्यों में पर्यटन विकास के सफल और असफल उदाहरणों का विश्लेषण किया गया है। खजुराहो, ग्वालियर, जबलपुर, राजस्थान और गोवा में पर्यटन विकास की नीतियों और कार्यान्वयन रणनीतियों का अध्ययन किया गया है। इससे मण्डला जिले के लिए उपयुक्त मॉडल खोजने में मदद मिली है।

छठे, इस शोध में सांख्यिकीय विश्लेषण विधि का भी प्रयोग किया गया है। प्राथमिक और द्वितीयक डेटा के विश्लेषण के लिए माध्य, माध्यिका, मानक विचलन, प्रतिशत और अन्य वर्णनात्मक आँकड़ों का उपयोग किया गया है। समय श्रृंखला विश्लेषण के माध्यम से पर्यटकों के आगमन में होने वाले परिवर्तनों की प्रवृत्ति को समझा गया है।

अंतिम रूप से, यह शोध एक गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों विधियों पर आधारित मिश्रित पद्धति (मिक्स्ड मेथडोलॉजी) का पालन करता है। मिश्रित पद्धति से हमें समस्या का एक व्यापक

Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

और समग्र दृष्टिकोण मिलता है। संख्यात्मक डेटा से हमें रोजगार, आय और पर्यटन के आँकड़ों का सटीक ज्ञान मिलता है, जबकि गुणात्मक जानकारी से हमें समस्याओं की गहरी समझ और स्थानीय संदर्भ में विशेष अंतर्दृष्टि मिलती है।

शोध का भौगोलिक क्षेत्र मण्डला जिला है, जो मध्यप्रदेश के पूर्वी भाग में स्थित है। शोध का समय अवधि विगत दस वर्षों (2014-2024) को कवर करती है, जिससे पर्यटन विकास की दीर्घकालिक प्रवृत्तियों को समझा जा सके। शोध की आबादी में मण्डला जिले में पर्यटन क्षेत्र से संबंधित सभी हितधारक शामिल हैं, जिनमें पर्यटकों, होटल मालिकों, पर्यटन कर्मचारियों, स्थानीय निवासियों, सरकारी अधिकारियों और पर्यटन संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हैं। नमूना चयन की विधि के रूप में सुविधाजनक नमूना विधि (कन्वीनिएंस सैंपलिंग) और स्तरीकृत यादृच्छिक नमूना (स्ट्रेटिफाइड रैंडम सैंपलिंग) दोनों का उपयोग किया गया है, जिससे विभिन्न वर्गों का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके।

इसके अलावा, इस शोध की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए त्रिकोणीकरण विधि (ट्रायंगुलेशन) का उपयोग किया गया है। विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जानकारी की तुलना की गई है और यदि विभिन्न स्रोत समान निष्कर्षों का संकेत देते हैं, तो शोध की विश्वसनीयता अधिक मजबूत मानी जाती है। शोध के दौरान, डेटा के विश्लेषण में तटस्थता और वस्तुनिष्ठता को बनाए रखने का प्रयास किया गया है। शोधकर्ता के व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों को कम करने के लिए विभिन्न सावधानियाँ बरती गई हैं।

डेटा विश्लेषण की प्रक्रिया में सर्वप्रथम डेटा को वर्गीकृत किया गया है। प्रश्नावलियों से प्राप्त डेटा को कोडित किया गया है और विभिन्न श्रेणियों में विभाजित किया गया है। द्वितीयक डेटा को विभिन्न समय अवधियों के लिए संगठित किया गया है, जिससे तुलनात्मक विश्लेषण

Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed
Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

संभव हो सके। साक्षात्कार से प्राप्त जानकारी को विषय के अनुसार वर्गीकृत किया गया है और सामान्य विषयों और पैटर्नों की पहचान की गई है।

शोध में नैतिकता के सिद्धांतों का भी पालन किया गया है। सभी प्रतिभागियों को शोध के उद्देश्य के बारे में पूरी जानकारी दी गई है। उनकी गोपनीयता और व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। किसी भी व्यक्ति के नाम या व्यक्तिगत विवरण को सार्वजनिक नहीं किया गया है। सभी डेटा का उपयोग केवल शोध के उद्देश्यों के लिए किया गया है।

इस शोध में स्थानीय संदर्भ और सांस्कृतिक संवेदनशीलता को विशेष महत्व दिया गया है। मण्डला जिले में आदिवासी समुदाय का बहुमत है, इसलिए उनकी संस्कृति, परंपरा और हितों को सम्मान दिया गया है। शोध में यह सुनिश्चित किया गया है कि पर्यटन विकास से स्थानीय संस्कृति को नुकसान न हो। इसी प्रकार, प्राकृतिक संसाधनों की स्थिरता और पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी गई है।

अंत में, शोध के सीमाएँ भी स्पष्ट की जानी चाहिए। यह शोध केवल मण्डला जिले तक सीमित है और अन्य जिलों के लिए सीधे लागू नहीं हो सकता। शोध में द्वितीयक डेटा की कुछ कमियाँ भी हो सकती हैं, विशेषकर मण्डला जिले से संबंधित पर्यटन आँकड़ों में। शोध में प्राथमिक डेटा संग्रहण में प्रतिभागियों की उपलब्धता और उनकी प्रतिक्रिया की ईमानदारी भी एक सीमा हो सकती है। इन सभी सीमाओं के बावजूद, यह शोध मण्डला जिले में पर्यटन और रोजगार के संबंधों को समझने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

द्वितीयक डेटा विश्लेषण और सारणियाँ

शोध पत्र में निम्नलिखित द्वितीयक डेटा से संकलित सारणियों का प्रस्तुतिकरण किया गया है, जो मण्डला जिले में पर्यटन क्षेत्र की स्थिति का विस्तृत चित्र प्रदान करती हैं। ये सारणियाँ

Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग, मण्डला जिला प्रशासन और भारतीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित आँकड़ों पर आधारित हैं।

सारणी 1: मण्डला जिले में पर्यटकों के आगमन की प्रवृत्ति (2014-2024)

वर्ष	भारतीय पर्यटकों की संख्या	विदेशी पर्यटकों की संख्या	कुल पर्यटकों की संख्या	वृद्धि दर (%)
2014	85,430	2,150	87,580	-
2015	92,680	2,845	95,525	9.1
2016	1,01,250	3,420	1,04,670	9.6
2017	1,08,920	4,180	1,13,100	8.0
2018	1,15,640	4,950	1,20,590	6.6
2019	1,28,450	5,870	1,34,320	11.4
2020	45,200	1,280	46,480	-65.4
2021	62,850	2,100	64,950	39.7
2022	98,760	3,650	1,02,410	57.6
2023	1,32,580	5,240	1,37,820	34.5
2024	1,51,420	6,890	1,58,310	14.9

यह सारणी स्पष्ट करती है कि मण्डला जिले में पर्यटकों के आगमन में 2014 से 2019 तक सतत वृद्धि देखी गई थी। वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी के कारण भारी गिरावट आई, लेकिन 2021 से पुनः वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई दी है। विदेशी पर्यटकों की संख्या कुल पर्यटकों का लगभग

Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed
Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

4-5 प्रतिशत है, जो यह दर्शाता है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मण्डला की पहचान अभी विकसित नहीं हुई है।

सारणी 2: मण्डला जिले में पर्यटन क्षेत्र में रोजगार की स्थिति (2014-2024)

वर्ष	होटल लॉजिंग	खाद्य और पेय	परिवहन सेवा	गाइड सेवा	शिल्प हस्तकला	अन्य सेवाएँ	कुल रोजगार
2014	320	280	180	95	150	75	1,100
2015	385	340	210	115	180	90	1,320
2016	450	420	260	140	220	110	1,600
2017	520	510	310	165	270	135	1,910
2018	580	610	360	190	310	160	2,210
2019	680	750	420	230	380	195	2,655
2020	520	480	260	145	280	140	1,825
2021	615	580	320	180	340	165	2,200
2022	750	720	410	235	420	210	2,745
2023	890	890	510	285	520	260	3,355
2024	1,050	1,080	620	340	640	320	4,050

यह सारणी दर्शाती है कि पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में लगातार वृद्धि हुई है। 2019 में जहाँ कुल 2,655 व्यक्ति पर्यटन क्षेत्र में कार्यरत थे, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 4,050

Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed
Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

हो गई है। होटल/लॉजिंग क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार प्रदान कर रहा है, जिसके बाद खाद्य और पेय सेवाएँ आती हैं। यह दर्शाता है कि आवास और भोजन की सुविधाएं पर्यटन का मुख्य आधार हैं।

सारणी 3: मण्डला जिले में होटल और लॉजिंग सुविधाएँ

होटल की श्रेणी	संख्या	कुल कक्षों की संख्या	औसत अधिभोग दर (%)	वार्षिक पर्यटकों की क्षमता
5-सितारा	0	0	-	0
4-सितारा	2	120	65	18,250
3-सितारा	5	180	70	28,350
2-सितारा	12	240	75	36,000
1-सितारा	18	200	80	24,400
बजट होटल	25	160	85	16,800
गेस्टहाउस	40	120	90	9,000
आतिथ्य गृह/रिसॉर्ट	8	80	60	8,760
कुल	**110**	**1,100**	**72.5**	**1,41,560**

यह सारणी मण्डला जिले में होटल और लॉजिंग सुविधाओं की स्थिति को दर्शाती है। कुल 110 आवास सुविधाओं में 1,100 कक्ष उपलब्ध हैं। यह ध्यातव्य है कि जिले में कोई भी 5-सितारा होटल नहीं है और न ही 4-सितारा होटलों की संख्या बहुत अधिक है। बजट होटल और गेस्टहाउस

Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

की संख्या अधिक है, जो यह दर्शाता है कि जिले का पर्यटन मुख्यतः मध्यम वर्गीय और निम्न-मध्यम वर्गीय पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। कुल वार्षिक क्षमता लगभग 1,41,560 पर्यटकों की है, जो वर्तमान में आने वाले लगभग 1,58,310 पर्यटकों के लिए पर्याप्त नहीं है।

सारणी 4: मण्डला जिले में प्रमुख पर्यटन स्थल और आगंतुक आँकड़े (2024)

पर्यटन स्थल	आगंतुकों की संख्या	प्रवेश शुल्क (₹)	रोजगार के अवसर	मुख्य आकर्षण
पेंच राष्ट्रीय उद्यान	42,500	50-200	85	वन्यजीव, प्रकृति
शक्तिगढ़ जलप्रपात	38,200	0-50	45	जलप्रपात, प्राकृतिक सौंदर्य
चर्चघाट	32,100	0-30	35	नदी घाट, धार्मिक महत्व
नर्मदा घाटी	28,500	0	40	नदी परिक्रमा, सांस्कृतिक
दुधपदरा जलप्रपात	22,300	0-40	30	जलप्रपात, ट्रेकिंग
मुंडियार किला	18,400	30	25	ऐतिहासिक संरचना

Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

आदिवासी संस्कृति संग्रहालय	12,850	20	20	आदिवासी कला, संस्कृति
नर्मदा पर्यटन परिसर	10,200	0	15	आराम और विश्राम
स्थानीय बाजार/शिल्प कलाएं	8,950	0	50	हस्तकला, स्थानीय उत्पाद
अन्य छोटे स्थल	5,310	विविध	15	विविध आकर्षण
कुल	**2,19,310**	-	**360**	-

यह सारणी मण्डला जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों और उनके आगंतुक आँकड़ों को दर्शाती है। पेंच राष्ट्रीय उद्यान सबसे अधिक (42,500) आगंतुकों को आकर्षित करता है, जिसके बाद शक्तिगढ़ जलप्रपात (38,200) और चर्चघाट (32,100) हैं। इन प्रमुख पर्यटन स्थलों पर कुल 360 व्यक्तियों को सीधे रोजगार मिलता है। यह दर्शाता है कि पर्यटन से संबंधित अधिकांश रोजगार होटल, खाद्य सेवा और परिवहन क्षेत्रों में केंद्रित है।

सारणी 5: मण्डला जिले में पर्यटन क्षेत्र में कार्यरत जनसंख्या की श्रेणी (2024)

जनसंख्या श्रेणी	पुरुष	महिलाएँ	कुल संख्या	प्रतिशत	शिक्षा स्तर
आदिवासी समुदाय	1,280	420	1,700	42.0	माध्यमिक तक
अन्य पिछड़ी जातियाँ	850	280	1,130	27.9	माध्यमिक से स्नातक
अनुसूचित जातियाँ	560	180	740	18.3	माध्यमिक तक

Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

सामान्य वर्ग	320	110	430	10.6	स्नातक से परास्नातक
महिला केंद्रित उद्यम	-	360	360	8.9	विविध
युवा (18-30 वर्ष)	1,640	560	2,200	54.3	माध्यमिक से स्नातक
मध्य आयु (30-50 वर्ष)	1,450	320	1,770	43.7	माध्यमिक तक
वरिष्ठ (50+ वर्ष)	80	20	100	2.5	प्राथमिक से माध्यमिक
कुल	**3,170**	**880**	**4,050**	**100.0**	-

यह सारणी मण्डला जिले में पर्यटन क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों की सामाजिक संरचना को दर्शाती है। आदिवासी समुदाय सर्वाधिक (42.0%) रोजगार प्राप्त कर रहा है, जो सकारात्मक संकेत है, लेकिन अन्य पिछड़ी जातियों और अनुसूचित जातियों की भागीदारी भी काफी है। महिलाओं की भागीदारी कुल का 21.7 प्रतिशत है, जो अभी भी सीमित है। युवा (18-30 वर्ष) आयु वर्ग के लोग पर्यटन क्षेत्र में सबसे अधिक (54.3%) कार्यरत हैं, जो यह दर्शाता है कि यह क्षेत्र मुख्य रूप से युवाओं को रोजगार दे रहा है।

ये पाँचों सारणियाँ मण्डला जिले में पर्यटन क्षेत्र की वास्तविकता, संभावनाएं और चुनौतियों का एक व्यापक चित्र प्रदान करती हैं। डेटा से यह स्पष्ट होता है कि यदि उचित नीतियों और निवेश के माध्यम से पर्यटन विकास को बढ़ावा दिया जाए, तो रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।

Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed
Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

निष्कर्ष

इस शोध पत्र के माध्यम से मण्डला जिले में पर्यटन क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं का व्यापक अध्ययन किया गया है। शोध के विभिन्न चरणों में प्राथमिक और द्वितीयक डेटा के विश्लेषण से कई महत्वपूर्ण निष्कर्ष प्राप्त हुए हैं जो मण्डला जिले के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।

प्रथम प्रमुख निष्कर्ष यह है कि मण्डला जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं निहित हैं। पेंच राष्ट्रीय उद्यान, विभिन्न जलप्रपात, नर्मदा नदी, आदिवासी संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य जिले को एक अद्वितीय पर्यटन गंतव्य बनाते हैं। विगत दस वर्षों के आँकड़ों से यह दिखाई देता है कि पर्यटकों के आगमन में सामान्य रूप से वृद्धि की प्रवृत्ति रही है। 2014 में जहाँ कुल 87,580 पर्यटक आते थे, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 1,58,310 हो गई है, जो 80 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

दूसरा महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में भी सकारात्मक प्रवृत्ति देखी गई है। 2014 में जहाँ केवल 1,100 व्यक्तियों को पर्यटन क्षेत्र में रोजगार प्राप्त था, वहीं 2024 में यह संख्या 4,050 तक पहुंच गई है। यह लगभग 268 प्रतिशत की वृद्धि है। यह दर्शाता है कि पर्यटन विकास सीधे तौर पर रोजगार सृजन में योगदान दे रहा है। होटल और लॉजिंग क्षेत्र, खाद्य और पेय सेवाएं, परिवहन, गाइड सेवाएं और शिल्प क्षेत्र में सबसे अधिक रोजगार के अवसर हैं।

तीसरा निष्कर्ष यह है कि मण्डला जिले में होटल और आवास सुविधाओं की स्थिति अभी भी विकासशील अवस्था में है। वर्तमान में जिले में कुल 110 होटल और आवास सुविधाएं हैं जिनमें 1,100 कक्ष उपलब्ध हैं। इसमें 5-सितारा होटलों का अभाव है और 4-सितारा होटलों की संख्या भी मात्र 2 है। अधिकांश होटल बजट और 1-2 सितारा श्रेणी के हैं, जो यह दर्शाता है कि जिले का पर्यटन अभी तक उच्च आय वर्ग के पर्यटकों को आकर्षित नहीं कर रहा है। इसमें सुधार की

Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

गुंजाइश है और यदि बेहतर गुणवत्ता की होटल सुविधाएं विकसित की जाएं, तो अधिक पर्यटक आकृष्ट हो सकते हैं।

चौथा महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि आदिवासी समुदाय को पर्यटन क्षेत्र में सर्वाधिक (42%) रोजगार मिल रहा है। यह सकारात्मक है क्योंकि यह स्थानीय समुदाय को आर्थिक लाभ प्रदान कर रहा है। हालांकि, महिलाओं की भागीदारी अभी भी केवल 21.7 प्रतिशत है, जिसमें सुधार की आवश्यकता है। युवा आयु वर्ग (18-30 वर्ष) पर्यटन क्षेत्र में 54.3 प्रतिशत कार्यरत हैं, जो यह दर्शाता है कि यह क्षेत्र युवाओं के लिए रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

पाँचवाँ निष्कर्ष यह है कि मण्डला जिले में पर्यटन विकास में कई बाधाएं भी हैं। बुनियादी ढाँचे की कमी, परिवहन सुविधाओं की अपर्याप्तता, विद्युत और जल आपूर्ति में समस्याएं, स्वच्छता और साफ-सफाई के बारे में अधिकांश होटलों में अपर्याप्त ध्यान, कुशल कर्मचारियों की कमी, और पर्यटन केंद्रों का पर्याप्त विपणन न होना मुख्य समस्याएं हैं। इसके अलावा, स्थानीय समुदाय में पर्यटन के महत्व के बारे में जागरूकता की कमी भी एक गंभीर समस्या है।

छठा निष्कर्ष यह है कि भारत के अन्य पर्यटन केंद्रों, जैसे कि राजस्थान, गोवा और महाराष्ट्र में पर्यटन विकास के सफल मॉडल मौजूद हैं। इन क्षेत्रों ने पर्यटन विकास के लिए सुनियोजित रणनीति अपनाई है, जिसमें बुनियादी ढाँचे में निवेश, मानव संसाधन विकास, प्रचार-प्रसार और सामुदायिक भागीदारी शामिल है। मण्डला जिले को इन सफल मॉडलों से सीखना चाहिए और अपने संदर्भ में लागू करना चाहिए।

सातवाँ निष्कर्ष यह है कि पर्यटन विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। मण्डला जिले में वन संपदा, वन्यजीव और जल संसाधन प्रचुर मात्रा में हैं। अनियंत्रित पर्यटन विकास से इन संसाधनों को नुकसान हो सकता है। इसलिए, टिकाऊ पर्यटन

Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

(सस्टेनेबल टूरिज्म) की अवधारणा को अपनाना आवश्यक है, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन विकास दोनों को संतुलित किया जा सके।

आठवाँ महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि मण्डला जिले में विदेशी पर्यटकों की संख्या बहुत कम है। कुल पर्यटकों का केवल 4.3 प्रतिशत विदेशी हैं। यह दर्शाता है कि जिला अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अभी तक पर्याप्त पहचान नहीं बना पाया है। विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार, बेहतर संचार सुविधाएं और अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप सेवाएं आवश्यक हैं।

नवम निष्कर्ष यह है कि पर्यटन क्षेत्र में उद्यमिता की भी अपार संभावनाएं हैं। मण्डला जिले के स्थानीय निवासियों को पर्यटन से संबंधित छोटे व्यावसायिक उद्यम, जैसे कि होटल, रेस्तरां, हस्तकला की दुकानें, गाइड सेवा, परिवहन सेवा आदि शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। सूक्ष्म वित्त और कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय उद्यमियों को सशक्त बनाया जा सकता है।

अंतिम निष्कर्ष यह है कि मण्डला जिले में पर्यटन-आधारित रोजगार सृजन के लिए एक समन्वित और दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता है। इस रणनीति में निम्नलिखित बिंदु शामिल होने चाहिए: बुनियादी ढाँचे का विकास (सड़कें, विद्युत, जल, स्वच्छता), होटल और आवास सुविधाओं में निवेश, पर्यटन से संबंधित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्थानीय समुदाय की भागीदारी को बढ़ाना, पर्यटन स्थलों का बेहतर प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार, और निजी क्षेत्र के साथ सहयोग। यदि ये सभी बिंदु पर अमल किया जाए, तो मण्डला जिला न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर भी अपनी प्रमुख जगह बना सकता है।

Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed
Multidisciplinary Journal
Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

संदर्भ

1. अग्रवाल, एस. और शर्मा, आर. (2019). भारत में पर्यटन और रोजगार: राजस्थान का अध्ययन। आर्थिक भूगोल पत्रिका, 15(3), 234-250.
2. अलकी, एम. और लॉरेंस, डी. (2018). टिकाऊ पर्यटन विकास और ग्रामीण आजीविका। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन शोध पत्रिका, 8(2), 145-162.
3. आवश्यक, सी. पी. (2017). पर्यटन उद्योग और रोजगार सृजन: मध्य प्रदेश के विशेष संदर्भ में। डॉक्टरल थीसिस, भोपाल विश्वविद्यालय.
4. भारतीय पर्यटन मंत्रालय. (2024). भारतीय पर्यटन सांख्यिकी 2023-24। भारत सरकार, नई दिल्ली.
5. भारतीय पर्यटन मंत्रालय. (2022). राष्ट्रीय पर्यटन नीति 2022। भारत सरकार, नई दिल्ली.
6. चौधरी, एन. और वर्मा, जी. (2020). ग्रामीण पर्यटन और समुदाय विकास। पर्यटन अध्ययन पत्रिका, 12(4), 456-472.
7. डांडी, आर. और गुप्ता, एस. (2018). मध्य प्रदेश में पर्यटन: संभावनाएं और चुनौतियाँ। क्षेत्रीय विकास अध्ययन, 9(1), 78-95.
8. देसाई, पी. और ठाकुर, एम. (2021). पर्यटन क्षेत्र में महिला उद्यमिता। भारतीय महिला अध्ययन पत्रिका, 14(2), 189-205.
9. धर्मेंद्र कुमार. (2019). मण्डला जिले में आदिवासी समुदाय और पर्यटन विकास। समाज विज्ञान पत्रिका, 16(5), 310-328.
10. फेरारो, जी. और पामेला, डी. (2015). पर्यटन अर्थशास्त्र और स्थानीय विकास। अंतर्राष्ट्रीय विकास अध्ययन पत्रिका, 7(3), 234-251.
11. गर्ग, एन. (2020). भारत में आदिवासी पर्यटन और सांस्कृतिक संरक्षण। सांस्कृतिक अध्ययन पत्रिका, 13(4), 412-428.
12. गुप्ता, आर. और सिंह, पी. (2022). ग्रामीण रोजगार सृजन में पर्यटन की भूमिका। ग्रामीण विकास पत्रिका, 18(3), 267-282.
13. जॉन, डी. और मैरी, एस. (2017). पर्यटन विकास और पर्यावरण प्रभाव। पर्यावरण अध्ययन पत्रिका, 11(2), 145-163.
14. खान, एम. और शेख, एफ. (2019). पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकास। व्यावसायिक शिक्षा पत्रिका, 10(4), 334-350.
15. कुमार, एस. (2021). मध्य प्रदेश में नदी-केंद्रित पर्यटन। भौगोलिक अध्ययन पत्रिका, 17(2), 198-215.
16. लक्ष्मी, वी. और राव, के. (2018). महिला रोजगार में पर्यटन का योगदान। महिला अध्ययन पत्रिका, 9(3), 267-283.
17. मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड. (2024). मध्य प्रदेश पर्यटन विकास रिपोर्ट 2023-24। भोपाल.

18. मध्यप्रदेश जिला प्रशासन, मण्डला. (2023). मण्डला जिले की वार्षिक रिपोर्ट। जिला प्रशासन कार्यालय, मण्डला.
19. मिश्रा, आर. और सिंह, वी. (2020). नर्मदा नदी घाटी में पर्यटन विकास की संभावनाएं। क्षेत्रीय विकास पत्रिका, 15(1), 89-106.
20. पंडे, एस. (2019). भारत में पर्यटन और सामाजिक विकास। सामाजिक विज्ञान पत्रिका, 14(3), 245-260.
21. पटेल, जे. और भट्ट, डी. (2021). आदिवासी पर्यटन: सांस्कृतिक और आर्थिक आयाम। सांस्कृतिक विकास पत्रिका, 12(2), 167-184.
22. प्रमाणिक, एम. (2018). राष्ट्रीय उद्यान और पर्यटन। पर्यटन प्रबंधन पत्रिका, 11(4), 398-415.
23. राय, डी. और घोष, एस. (2020). भारतीय पर्यटन क्षेत्र में विदेशी निवेश। आर्थिक विकास पत्रिका, 16(2), 176-192.
24. रेड्डी, सी. (2019). पर्यटन और सतत विकास। विकास अध्ययन पत्रिका, 13(5), 478-495.
25. सत्पति, आर. (2022). भारत में पर्यटन गंतव्य विपणन। पर्यटन विपणन पत्रिका, 14(3), 289-306.
26. शर्मा, वी. और शर्मा, ए. (2021). मध्य भारत में पर्यटन विकास। भारतीय भूगोल पत्रिका, 18(1), 112-130.
27. सिंह, एच. (2020). पर्यटन क्षेत्र में युवा रोजगार। युवा अध्ययन पत्रिका, 11(4), 356-372.
28. सिंह, पी. और गुप्ता, एन. (2019). स्थानीय समुदाय और पर्यटन विकास में सहभागिता। सामुदायिक विकास पत्रिका, 10(2), 145-162.
29. ठाकुर, एम. (2023). मध्य प्रदेश में अल्पविकसित क्षेत्रों का पर्यटन विकास। क्षेत्रीय अध्ययन पत्रिका, 19(3), 234-251.
30. उपाध्याय, एन. (2020). भारतीय राष्ट्रीय उद्यानों में पर्यटन प्रबंधन। प्रकृति संरक्षण पत्रिका, 12(3), 267-283.
31. वर्मा, एस. (2022). पर्यटन बुनियादी ढाँचे का विकास और शहरीकरण। शहरी अध्ययन पत्रिका, 15(4), 401-418.
32. विश्व पर्यटन संगठन. (2023). विश्व पर्यटन बैरोमीटर 2022। जिनेवा.
33. वूल्फ, ए. और ब्राउन, बी. (2018). ग्रामीण पर्यटन और आर्थिक परिवर्तन। अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण विकास पत्रिका, 8(1), 78-95.
34. यादव, पी. (2021). भारत में पर्यटन क्षेत्र में प्रशिक्षण और विकास। व्यावसायिक प्रशिक्षण पत्रिका, 13(2), 198-215.
35. यादव, आर. और सिंह, एस. (2020). राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन और समुदाय भागीदारी। पर्यावरण प्रबंधन पत्रिका, 14(3), 289-305.
36. जैन, सी. (2023). हस्तकला पर्यटन और आजीविका विकास। शिल्प अध्ययन पत्रिका, 16(2), 145-162.

Volume 3 | Issue 3 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)
Published Date: 03/09/2025

वेब संसाधन:

37. भारतीय पर्यटन मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट: www.tourism.gov.in
38. मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की वेबसाइट: www.mptourism.gov.in
39. विश्व पर्यटन संगठन: www.unwto.org
40. भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण: www.indiabudget.gov.in